an>

Title: Regarding impact of demonetization.

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे (गुलबर्गा) :** यह एक चीज है। दूसरी चीज मैं आपके सामने यह रखना चाहता हूँ, क्योंकि यह सदन कम से कम 13 दिन से नहीं चल रहा है। हम भी दुःखी हैं, आप भी दुःखी हैं।...(व्यवधान) सारा देश दुःखी है।...(व्यवधान) आप लोग हमारी बात सुनिए।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आप दुःखी हो, यही बहुत बड़ी बात है।

â€¦(व्यवधान)

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे :** मैं आपसे रिक्वेस्ट करता हूँ कि आपको सुप्रीम पॉवर है, आप इस सदन की मुखिया हैं और सभी रूल्स को सस्पेंड कर सकती हैं, इतनी अथॉरिटी आपके पास है। रूल 388, रूल 389, इन दोनों रूल्स में इस सदन ने आपको इतनी पॉवर दी है कि आप किसी भी रूल को सस्पेंड कर सकती हैं। मैं आपसे यही विनती करता हूँ कि हमारा जो एडजर्नमेंट मोशन है, रूल 56 के तहत हम चर्चा चाहते हैं, लेकिन वे लोग वह चर्चा नहीं चाहते हैं। इसलिए मैं आपसे रिक्वेस्ट करता हूँ कि आप किसी भी रूल में चर्चा ले लीजिए, जिसमें डिबेट हो जाये और वोटिंग हो।...(व्यवधान) डिबेट हो और वोटिंग हो।...(व्यवधान) मैं इसके लिए तैयार हूँ। आपको सदन ने रूल 388 और रूल 389 के तहत यह शक्ति दी है कि आप किसी भी रूल को सस्पेंड कर सकती हैं। यह हमने आपके ऊपर छोड़ा है।...(व्यवधान) हम डिबेट के लिए तैयार हैं, हम डिबेट से भागना नहीं चाहते हैं।...(व्यवधान) हम जनता की तकलीफों को सदन के सामने रखना चाहते हैं।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** जब आपके लीडर बोल चुके हैं तो फिर शोर करने से क्या फायदा है, क्या आपको उन पर विश्वास नहीं है? गौरव जी, बहुत बड़े हो गये हो। वह आपकी तरफ से सभी बात बोल चुके हैं। मैं सुन रही हूँ।

सुदीप जी आप बोलिए।

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY (KOLKATA UTTAR): Madam, today morning, we wanted to have an obituary reference for the jawans who have lost their lives.

Our walking out was not an attempt to hurt you. If it has hurt you, we express our regret and we still feel that the Government could not supply you the required information. ...(*Interruptions*)

**माननीय अध्यक्ष :** यह भी गलत बात रिकार्ड में मत लाइए। I said that combing is on. That is why मैंने नहीं किया था। वह मेरा अपना विचार है। उसमें गवर्नमैंट ने जानकारी दी, नहीं दी, ऐसा मत कहें। ऑबिवुरी हमेशा स्पीकर की तरफ से होती है। आप दोनों एक अलग बात प्लीज़ रिकार्ड पर मत लाइए। इसमें गवर्नमैंट का सवाल नहीं है।

â€¦(व्यवधान)

**श्री सुदीप बन्दोपाध्याय :** आपका तो सपोर्ट गवर्नमैंट चाहती है। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** इसमें गवर्नमैंट का सवाल नहीं है। मैंने केवल इतना ही कहा था कि because combing is on, वहाँ फैमिलीज़ भी हैं, यह सब कुछ चल रहा है। ऑबिवुरी तो हम हमेशा देते आ रहे हैं। उन्होंने भी गलत बात कही, आप भी गलत कह रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

**श्री सुदीप बन्दोपाध्याय :** ठीक है, मैं इसमें नहीं जाता। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** गवर्नमैंट का इसमें कहीं भी सवाल नहीं है। ऑबिवुरी तो मेरी तरफ से होती है।

â€¦(व्यवधान)

**श्री सुदीप बन्दोपाध्याय :** आपने जो दुख व्यक्त किया, वह सही है। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** सवाल डिफैंड का नहीं है। जो बात है, वह मैं बोल रही हूँ कि what is fact. मैं किसी को डिफैंड नहीं कर रही हूँ। मैं आपको भी डिफैंड करने को तैयार हूँ, मैं पूरे हाउस की बात कर रही हूँ। I never said that.

â€¦(व्यवधान)

SHRI SUDIP BANDYOPADHYAY : Regarding the functioning of the House, it is absolutely correct that we have also given notice for Adjournment Motion under Rule 56 and they are for discussing the issue under Rule 193.

I am of the same opinion that there should be an immediate discussion. You may scrap Rule 56, you may scrap Rule 193 and you have every authority to find out the third way. Why is the Government, in spite of having a brute majority of more than 300 Members in the House, fighting shy to go for voting? What for? That has to be clarified.

We are for the discussion. We will make our observations, we may shift from Rule 56 for the sake of the country, if necessary, and they should also withdraw their demand for Rule 193 but they should come to a position where you can take a decision. You can endorse any rule which provides for voting.

Discussion with voting is our only demand. You may give your consent and let the discussion start from tomorrow morning. Let us exchange our views and ideas wholeheartedly and in full spirit and then come to a conclusion. We are committed against black money. We are committed to fight black money. We are committed to see that black money holders are sent to prison for their life.

**माननीय अध्यक्ष :** मोहम्मद सलीम जी, आप क्या बोलेंगे इस पर? सब बात तो हो गई है।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** ये क्या हैं? यह आपके पीछे जो चल रहा है, क्या यह पद्धति है? I am giving you a warning. यह क्यों दिखाना है? नहीं दिखाना है। You cannot show something

like that. I am sorry.

â€¦(व्यवधान)

SHRI MOHAMMAD SALIM (RAIGANJ): When Madam tells you to sit down, please sit down. â€¦ (*Interruptions*)

HON. SPEAKER: When Madam says not to show something like that, then do not show it. That is also there.

â€¦(व्यवधान)

**एक माननीय सदस्य:** मैडम आप नाराज़ हो रही हैं। ...(व्यवधान)

**श्री मोहम्मद सलीम :** नाराज़गी की बात तो है ही। पूरा देश नाराज़ है। उसका भी यहाँ पर रिफ्लैक्शन होना चाहिए। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** प्लीज़ बैठिये।

**श्री मोहम्मद सलीम :** मैंने तो अभी तक एक शब्द नहीं कहा। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आप जल्दी बोलिये।

**श्री मोहम्मद सलीम :** मैडम, सब मानते हैं कि यह महत्वपूर्ण फैसला है, इसको नोटबंदी बोलें या डीमॉनेटाइज़ेशन बोलें, यह ऐतिहासिक फैसला है। संसद में सभी लोग चाह रहे हैं कि इस पर चर्चा हो, लेकिन किस रूल के तहत चर्चा हो, यह आपके ऊपर निर्भर कर रहा है। एडजर्नमैंट मोशन हमने दिया। अब 16 तारीख से रोज़ाना हम यहाँ आ रहे हैं। सिर्फ हंगामा खड़ा करना मेरा मकसद नहीं है। ...(व्यवधान) कोशिश यह है कि कोई सूरत निकलनी चाहिए और यह सूरत कैसे निकलेगी? ...(व्यवधान) अभी भर्तृहरि महताब जी ने परसों खड़े होकर कहा कि पक्ष विपक्ष की बात नहीं है। उन्होंने कहा कि सरकार की तरफ से यह पहल होनी चाहिए थी। जीएसटी लेकर कितना हंगामा हुआ था, लेकिन सरकार की तरफ से एक पहल की गई। सब लोगों ने कहा कि एक ऐतिहासिक फैसला हो गया। लोग परेशान हैं। लोक सभा में हम जनप्रतिनिधि के रूप में अगर उस परेशानी को उस शक्ल में नहीं लाएँगे, जैसे माननीय सदस्य '80' दिखा रहे हैं, तो कितनी मौतों के बाद हम यह स्वीकार करेंगे कि कुछ मौतें हुई? कितनी तकलीफ के बाद हम यह स्वीकार करेंगे कि लोग तकलीफ में हैं। कितनी परेशानियों के बाद हम लोक सभा में जनप्रतिनिधि के नाते यह कह पाएँगे कि हमारे जो कांस्टीट्युएंट्स हैं, वह परेशान हैं। सरकार माने या न माने, यह हकीकत तो है। आप रूल्स के अंदर ही फैसला लेंगी, लेकिन सरकार की जो मंशा है, उसको बेशक आप प्रायॉरिटी देंगी। लेकिन मैं यह कहता हूं कि लोक सभा यह न हो जाए कि वह सरकार की मंशा की अनुयायी हो जाए, तब लोकतंत्र खत्म हो जाएगा। वह काला दिन होगा। आपको यह फैसला लेना पड़ेगा कि जनप्रतिनिधि किस तरह से, किस सूरत में जनता की वेदना को यहां व्यक्त करें। मैं जब यह कह रहा हूं, उनके भी बहुत से कांस्टीट्युएंट्स हैं, जिनके मन में वेदना है, वह यहां आनी चाहिए, इसलिए मैं एडजर्नमेंट मोशन के लिए कह रहा हूं।

**श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) :** अध्यक्ष महोदया, आपके पास लोकतंत्र में और संविधान में संसदीय कार्यों को चलाने के लिए असीम शक्ति है, पॉवर है। हम लोगों की डिमांड है कि नियम 56 के तहत बहस हो, लेकिन यदि उसे नहीं माना जाता है तो जिसमें मत विभाजन की गुंजाइश है, उस धारा के मुताबिक बिना विलम्ब किए हुए बहस शुरू होनी चाहिए। मुझे कहना है कि यह लोकतंत्र है, राजतंत्र नहीं है। हम बहस से नहीं भागते हैं और सत्ता पक्ष को भी बहस से नहीं भागना चाहिए। आपको जनता ने अजेय बहुमत दिया है। अजेय बहुमत वाले आप बहुमत में होंगे, लेकिन मत विभाजन से क्यों भागते हैं? देश जानना चाहता है कि जो निर्णय नोटबंदी का लिया गया है, वह अव्यावहारिक है, परिणाम को बिना समझे हुए किया गया है, तो इस पर बहस हो जाए। हम जनता की आवाज रखेंगे, गरीब की आवाज रखेंगे, गांव की आवाज रखेंगे, तकलीफ रखने का काम करेंगे। चर्चा से विपक्ष नहीं भागता है, तो सत्ता पक्ष को भी नहीं भागना चाहिए, बहस शुरू होनी चाहिए और उस पर मत विभाजन होना चाहिए।

**रसायन और उर्वरक मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री अनन्तकुमार):** अध्यक्षा जी, दो बातें हैं। पहला, खड़गे साहब ने एक दुःखपूर्ण विषय के बारे में यहां अपना विचार व्यक्त किया। मैं इतना ही अर्ज करना चाहता हूं कि जब वहां बार्डर पर एक्शन चल रहा है, कोम्बिंग आपरेशन चल रहा है, तो हमारे वीर जवानों की शहादत के बारे में, उनको श्रद्धांजलि के बारे में राजनीति करना शोभा नहीं देता है, ठीक नहीं है, उसको नहीं करना चाहिए। ...(व्यवधान) वहां एक्शन अभी भी चल रहा है। ...(व्यवधान) कोम्बिंग आपरेशन चल रहा है। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** कोई राजनीति नहीं। ठीक है, बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

**श्री अनन्तकुमार :** हमारे वीर जवान लड़ रहे हैं। ...(व्यवधान)

दूसरी बात, ये लोग बहस के बारे में कह रहे हैं, मैं इनको कहना चाहूंगा कि 16 तारीख से सरकार बहस के लिए तैयार है। ...(व्यवधान) काले धन के खिलाफ, भ्रष्Âटाचार के खिलाफ, जो मुहिम हमने शुरू की है, संघÂर्ष शुरू किया है, उससे आम जनता को, गरीबों को लाभ पहुंचा है। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** कोई राजनीति नहीं, बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

**श्री अनन्तकुमार :** पूरा देश मोदी सरकार के साथ है। इसके बारे में चर्चा करने के लिए 16 तारीख से हम तैयार बैठे हैं। हर दिन हम चर्चा करने के लिए तैयार हैं। ...(व्यवधान) लेकिन एक पीड़ा की बात है, आपने दूसरे सदन में चर्चा शुरू की। वहां छः घंटे की चर्चा करवाई, बीच-बीच में उसे रोका, लेकिन यहां चर्चा अब तक शुरू नहीं की। ...(व्यवधान) आप चर्चा करिए। ...(व्यवधान) सुदीप बंदोपाध्याय जी ने कहा कि कल से शुरू करेंगे। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** क्या हो गया?

â€¦(व्यवधान)

**श्री अनन्तकुमार :** अध्यक्षा जी, यदि खड़गे साहब और ज्योतिरादित्य जी मानेंगे, तो अब से चर्चा करना शुरू करते हैं, हम अभी से चर्चा करने के लिए तैयार हैं। ...(व्यवधान) हर पहलू के बारे में हम जवाब देंगे। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** क्या हुआ? बैठिए। क्या हो गया? बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** कोई राजनीति नहीं।

â€¦(व्यवधान)

**श्री अनन्तकुमार :** अध्यक्षा जी, खड़गे जी जब चाहें वाक इन करें, जब चाहें वाक आउट करें, इससे संसद का कोई फायदा नहीं होगा। जब चाहे वाक इन करेंगे, जब चाहे वाक आउट करेंगे, हम पूरा सहयोग देने के लिए तैयार हैं, हम चर्चा करने के लिए तैयार हैं। ...(व्यवधान) इसमें दो अलग आवाजें नहीं हो सकतीं, पार्लियामेंट से दो सुर नहीं निकल सकते। ...(व्यवधान) काले धन के खिलाफ पूरा देश एक है, पूरा सदन एक है, ऐसा हम मानते हैं। ...(व्यवधान) विपक्ष भी है, भ्रष्टाचार के खिलाफ है, हर चीज के खिलाफ है, आतंकवाद के खिलाफ है। ...(व्यवधान) जब ऐसा है तो इसको वोटिंग के तहत डिवाइड करना, एक डिवाइडेड मैसेज देश को देना ठीक नहीं है, उचित नहीं है। ...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** खड़गे जी, अब क्या हुआ?

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** वे कुछ बोलेंगे, फिर आप कुछ बोलेंगे, फिर मुझे सबको बोलने देना होगा।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** किसका नाम लिया?

â€¦(व्यवधान)

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे :** हम कुछ नहीं बोलना चाहते हैं।...(व्यवधान) हमने आपसे बार-बार यही विनती की है कि किसी भी प्रोविजन में डिबेट शुरू कीजिए, उस पर वोटिंग हो जाए, मतदान हो जाए, हम उसके लिए तैयार हैं।...(व्यवधान) वे कहते हैं कि हम भाग रहे हैं।...(व्यवधान) हम आपके हर सवाल का जवाब देने के लिए तैयार हैं, लेकिन आप भाग रहे हैं।...(व्यवधान) गरीबों का गला घोंटकर,...(व्यवधान) 82 लोग मर गए हैं, लाखों लोग जख्मी हो गए हैं।...(व्यवधान)

**श्री अनन्तकुमार :** अध्यक्षा जी, यदि ये तैयार रहते, तो 16 तारीख से 30 तारीख तक 12 दिन हो गए हैं।...(व्यवधान)

**श्री मल्लिकार्जुन खड़गे :** गरीब लोगों को दो हजार रुपये के लिए लाइन में अपनी जान खोनी पड़ रही है।...(व्यवधान) आप गलत हैं।...(व्यवधान) हम तैयार हैं।...(व्यवधान) हम हर चर्चा के लिए तैयार हैं।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** प्लीज़, आप सब बैठिए।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** बार-बार इधर से, उधर से कुछ मत बोलिए। खड़गे जी, आपने जो बात कही, मैंने वह सुन ली है कि मैं सब रूल अलग रख सकती हूं, मेरी जो पावर है। मेरा आज सबसे निवेदन है, अगर आप तैयार हैं, तो एक बात हो सकती है। मैंने वैसे भी शून्य काल पर चर्चा घोÂिषत कर दी है। आप सब जानते हैं। जोशी जी ज्यादा अच्छा बता सकेंगे। हम शून्य से शुरू करेंगे तो ब्रह्मांड तक भी पहुंच जाते हैं।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** इसलिए मैं सब बातें अलग रखती हूं क्योंकि आप नियम 193 के अंतर्गत, नियम 56 आदि किसी रूल के अंतर्गत तैयार नहीं हैं। सब रूल दूर रखकर आप अभी तुरंत चर्चा शुरू कीजिए। हम शून्य से कुछ खोजने की कोशिश करें। मैं अभी तैयार हूं। आप शुरू कीजिए। I am ready.

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** अगर आप चाहें तो बाकी सब बात छोड़कर शून्य में खोजने की कोशिश कीजिए।

â€¦(व्यवधान)

**श्री अनन्तकुमार :** हम इस चर्चा में भाग लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** कोई भी किसी रूल के अंतर्गत चर्चा के लिए तैयार नहीं है। If you don't want to debate, it is alright.

â€¦(व्यवधान)

HON. SPEAKER: If you want to debate, I am ready.

...(*Interruptions*)

SHRI ANANTHKUMAR: We are ready, Madam....(*Interruptions*) एक बार दूध का दूध पानी का पानी हो जाए।...(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** आप चाहते हैं तो मैं तैयार हूं।

â€¦(व्यवधान)

**माननीय अध्यक्ष :** सब रूल बाजू में रखकर हो सकता है।

â€¦(व्यवधान)

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB (CUTTACK): Madam Speaker, the whole House can understand your anguish when you say that nobody is prepared – neither from this side nor that side – to go along with the rules. Every Member is

aware of the anguish that you have expressed from the Chair. It is a caution to every Member who is present in this House. My request to you,

Madam, is this. When the Parliamentary Affairs Minister has said today that we cannot divide this House on black money, I would like to know who is dividing it. Neither from the Opposition nor the Leader of the Opposition nor leader of the Trinamool Congress Party is saying that we want a `Division' on black money. We are asking a discussion on the predicament that the people of this country are facing relating to demonetization. That is the issue I think the Government should agree to have a discussion. Every State, every citizen of this country is going through hardship. That is the reason why we want to express ourselves. We don't want a `Division' on black money. ...(*Interruptions*) On the black money issue, yesterday we have said that the whole country and every political party is one with the Government. We don't want any `Division' on black money. But it is a discussion or a debateâ€¦....(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: Shri Jaitley *ji,* let him complete. Then, you can speak. I will call you.

SHRI BHARTRUHARI MAHTAB : I would also say that our party is not against demonetization. It is the trouble that the citizens of this country are facing everyday is the reason why we want a discussion. ...(*Interruptions*)

**वित्त मंत्री तथा कॉर्पोरेट कार्य मंत्री (श्री अरुण जेटली) :** अध्यक्ष महोदया, महताब जी ने जनता की परेशानी के विषय में बताया है, सभी चर्चा चाहते हैं ...(व्यवधान) तो इसमें डिवीजन का सवाल ही नहीं है। ...(व्यवधान) सभी चाहते हैं कि परेशानी दूर हो, आप तुरंत महताब जी के प्रस्ताव पर चर्चा शुरू कराएं। ...(व्यवधान)

-

-

**12.26 hours**

(*At this stage, Shri Kodikunnil Suresh, Shri Sunil Kumar Mondal and Shri P.K. Biju and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.*)

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: If you want to discuss the issue, you can start it just now.

...(*Interruptions*)

HON. SPEAKER: It shows that you do not want to discuss the issue.

...(*Interruptions*)